MP BOARD CLASS 10 SOCIAL SCIENCE MODEL PAPER 4 WITH ANSWER

:: खण्ड - अ ::

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिएः

(अ) हथियारों की दौड़ को सम्बन्ध है-

(i) गरीबी से (ii) बेरोजगारी से (iii) आतंकवाद से (iv) अशिक्षा से

(ब) प्राचीन भारत को कहा जाता था-

(i) सोने का घड़ा (ii) सोने की चिड़िया (iii) सोने का देश (iv) सोने का घर

(स) जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था विकसित होती है, राष्ट्रीय आय में तृतीयक क्षेत्र का अंश-

(i) बढ़ता जाता है। (ii) घटता जाता है। (iii) बढ़ता है तत्पश्चात घटता है। (iv) घटता है तत्पश्चात बढ़ता है।

(द) उत्पादक वस्तु की गुणवत्ता एवं कीमत के सम्बन्ध में मनमानी कर सकते हैं-

(i) प्रतियोगी बाजार में (ii) एकाधिकार में (iii) कृषि उत्पादों में (iv) कोई नहीं

(इ) पूँजीवाद. में आर्थिक शक्तियों का संचालक होता है-

(i) लोकतन्त्र (ii) मूल्य तन्त्र (iii) राज्यतन्त्र (iv) ये सभी

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(1) नाना साहब का निवास ..... में था।

(2) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संविधान की ..... के अध्यक्ष थे।

(3) चीन में ..... के परिवार को आदर्श माना गया है।

(4) अर्थव्यवस्था का ..... क्षेत्रों में विभाजन किया गया है।

(5) बिजली के उपकरणों पर ..... का चिन्ह रहता

प्रश्न 3. सत्य/असत्य बताइएः

(अ) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में लागू किया गया था।

(ब) सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का तृतीयक क्षेत्र होता है।

(स) पंचायत का कार्यकाल 7 वर्ष का होता है।

(द) आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान को आपदाप्रबंधन के द्वारा कम किया जा सकता है।

(इ) कांग्रेस का विभाजन सूरत अधिवेशन में हुआ था।

प्रश्न 4. सही जोड़ी बनाइये।

(अ) आन्ध्र प्रदेश (1) द्वितीयक क्षेत्र

(ब) अमर्त्य सेन (2) तेलंगाना

(स) सीमेण्ट कारखाना (3) जीवन स्तर में वृद्धि

(द) डिजिटल चार्टस (4) आर्थिक कल्याण

(इ) उपभोक्ता जागरूकता (5) मालदीव्स।

प्रश्न 5. प्रत्येक का एक वाक्य/शब्द में

उत्तर दीजिए:5 (अ) जम्मू-कश्मीर को किस अनुच्छेद के अन्तर्गत विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है? (ब) कौन-से संशोधन द्वारा संविधान में "मूल कर्त्तव्य' जोड़ा गया है? (स) लोकसभा की सदस्यता के लिए न्यूनतम आयु क्या

(द) विश्व की कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत भाग भारत में निवास करता है ? (इ) भारतीय योजना आयोग का गठन कब किया गया था?

:: खण्ड - ब :

प्रश्न 6. भारतीय वन प्रबन्ध संस्थान की स्थापना क्यों की गई है?

अथवा

मृदा परिच्छेदिका का नामांकित चित्र बनाइएगई

प्रश्न 7. उग्रराष्ट्रवादी विचारधारा के प्रमुख नेताओं के नाम बताइए।

अथवा

कांग्रेस की स्थापना कब और किसने की थी?

प्रश्न 8. मानव विकास सूचकांक की गणना किसके आधार पर की जाती है? लिखिए।

अथवा

इण्डिया-विजन-2020 क्या है? लिखिए।

प्रश्न 9. दूरसंवेदी इकाई से क्या आशय है?

अथवा

अर्थव्यवस्था के प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र को उदाहरण की सहायता से समझाइए।

प्रश्न 10. आई.एस.आई. क्या है?

अथवा

उपभोक्ता के कोई पाँच कर्तव्य लिखिए।

प्रश्न 11. खनिज पदार्थ का क्या महत्व है?

अथवा

औषधीय उद्यान विधि के अन्तर्गत कौन-कौनसी फसलों का उत्पादन सम्भव है ? (कोई तीन लिखिए)

प्रश्न 12. तार व फैक्स में क्या अन्तर है?

अथवा

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13. सन् 1857 की क्रान्ति के सामाजिक कारण बताइए।

अथवा

अंग्रेजों के आर्थिक शोषण की नीति ने भारतीय कुटीर उद्योग को कैसे प्रभावित किया?

प्रश्न 14. सन् 1857 की क्रान्ति के आर्थिक कारण लिखिए।

अथवा

राष्ट्रीय जागृति विकास में किन भारतीय समाचार-पत्रों ने अपनी भूमिका निभाई थी? लिखिए।

प्रश्न 15. आकार के आधार पर उद्योगों के कितने प्रकार हैं? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्रदूषण से मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

प्रश्न 16. रेलमार्गों का वितरण भारत में असमान है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारत के प्रमुख बंदरगाहों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

प्रश्न 17. सूखा एवं बाढ़ किसे कहते हैं? लिखिए।

अथवा

भूस्खलन किसे कहते हैं, भूस्खलन के कारण भी बताए।

प्रश्न 18. क्रांतिकारी आन्दोलनों का भारत के इतिहास में महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

साइमन कमीशन कब और क्यों भेजा गया था ? भारतीयों द्वारा इसका विरोध क्यों किया गया?"

प्रश्न 19.1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के परिणाम लिखिए।

अथवा

1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के क्या कारण थे?

प्रश्न 20. भारतीय संविधान में कठोर एवं लचीलेपन का सम्मिश्रण है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारत एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र है, समझाइए।

प्रश्न 21. पूँजीवाद के गुण की व्याख्या कीजिए।

अथवा

विकसित एवं विकासशील देशों के मध्य भिन्नता के कोई चार मापदण्ड लिखिए।

प्रश्न 22. भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित को 'दर्शाइए-

(1) जूट उत्पादक क्षेत्र,

(2) गन्ना उत्पादक क्षेत्र,

(3) काली मिट्टी का क्षेत्र या कपास उत्पादक क्षेत्र,

(4) घाय उत्पादक क्षेत्र,

(5) रबर उत्पादक क्षेत्र।

अथवा

मौसम मानचित्रों का महत्व/विशेषताएँ बताइए।

प्रश्न 23. 'अंग-भंग' का राष्ट्रीय आन्दोलन पर क्या प्रभाव पड़ा?

अथवा

क्रांतिकारियों के बारे में आप क्या जानते हैं? ब्रिटिश शासन के विरूद्ध उन्होंने कौन से तरीके अपनाए? http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 24. बांग्लादेश का उदय किस प्रकार हुआ तथा भारत ने उसमें क्या सहयोग प्रदान किया?

अथवा

ताशकन्द समझौते की शर्तें लिखिए?

प्रश्न 25. व्यवस्थापिका के प्रमुख कार्य बतलाइए।

अथवा

मुख्यमंत्री के कार्य एवं शक्तियाँ बताइये अथवा मुख्यमंत्री के कोई पाँच कार्य लिखिए।

प्रश्न 26. भारत में बेरोजगारी दूर के कारणों का वर्णन कीजिए।

अथवा

साम्प्रदायिकता को दूर करने के उपाय बतलाइए।

उत्तरमाला : GBI/SAM4

ANSWER

:: खण्ड (अ) ::

उत्तर-1. (अ)-(iii), (ब)-(ii), (स)-(i), (द)-(ii), (इ)-(ii)।

उत्तर-2.1. बिठूर, 2, प्रारूप समिति, 3. एक बच्चे, 4. तीन, 5. आई.एस.आई.।।

उत्तर-3. (अ) सत्य, (ब) सत्य, (स) असत्य, (द) सत्य, (इ) सत्य।

उत्तर-4. (अ) 2, (ब) 4, (स) 1, (द) 5, (इ) 3

उत्तर-5. (अ) 370, (ब) 42वें संशोधन (1976) के द्वारा, (स) 25 वर्ष, (द) 16.87, (इ) 15 मार्च, 1950।

:: खण्ड (ब) ::

प्रश्न 6. भारतीय वन प्रबन्ध संस्थान की स्थापना क्यों की गई है?

उत्तर- वन संसाधन व प्रबन्धन व्यवसाय की नवीन बातों की जानकारी देने हेतु 1978 में स्वीडिश कम्पनी की सहायता से अहमदाबाद में इस संस्थान की स्थापना की गई। केन्द्र सरकार ने भोपाल में भी भारतीय वन प्रबन्ध संस्थान की स्थापना की है। यहाँ स्नातकोत्तर व डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की जाती है।

अथवा

मृदा परिच्छेदिका का नामांकित चित्र बनाइए।

उत्तर-

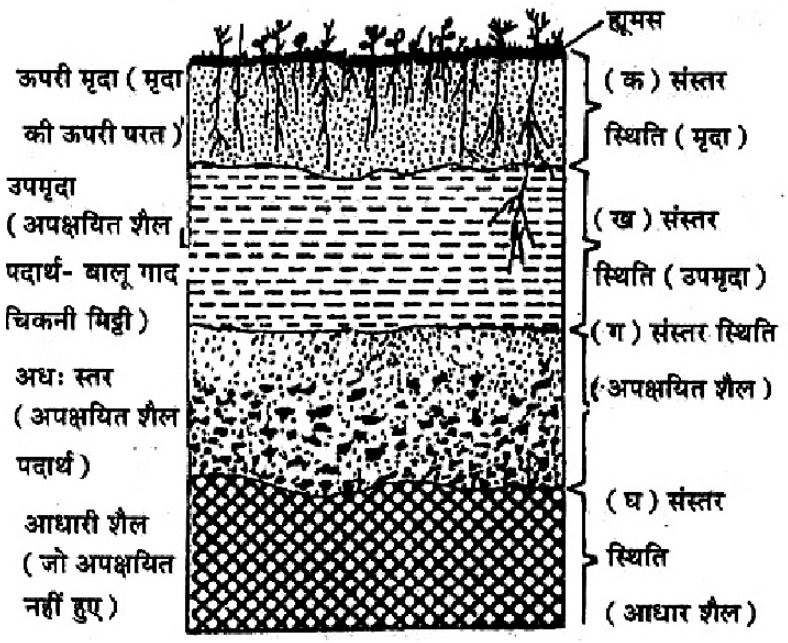

मृदा परिच्छेदिका

प्रश्न 7. उग्रराष्ट्रवादी विचारधारा के प्रमुख नेताओं के नाम बताइए।

उत्तर- लाला लाजपत राय , बाल गंगाधर तिलक , विपिनचन्द्र पाल आदि उग्र राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रमुख नेता थे।

अथवा

कांग्रेस की स्थापना कब और किसने की थी?

उत्तर- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना शासक और शासित वर्ग के मध्य खाई को भरने के उद्देश्य से छूम ने 1885 में की थी।

प्रश्न 8. मानव विकास सूचकांक की गणना किसके आधार पर की जाती है? लिखिए।

उत्तर- मानव विकास संकेतकों की गणना भौतिक तथा अभौतिक दोनों घटकों के आधार पर की जाती है। इनमें भौतिक घटक के रूप में सकल घरेलू उत्पाद और अभौतिक घटक के रूप में शिशु मृत्यु दर, जीवन की संभाव्यता और शैक्षणिक प्राप्तियाँ आदि को लिया गया है।

अथवा

इण्डिया-विजन-2020 क्या है? लिखिए।

उत्तर- भारतीय योजना आयोग ने जनवरी , 2003 ई. में इण्डिया-विजन- 2020 के नाम से एक महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किया है। इसमें भारत सन् 2020 ई. तक विकसित देशों की श्रेणी में सम्मिलित हो जाएगा, जिसके फलस्वरूप देश में बेरोजगारी , गरीबी, निरक्षरता, पूर्णतः दूर हो जाएगी। योजना आयोग का अनुमान है कि सन् 2020 ई. तक देश की 135 करोड़ जनसंख्या बेहतर पोषित, अच्छे रहन-सहन के स्तर वाली , पूर्णतः स्वस्थ और अधिक औसत आयु वाली होगी।

प्रश्न 9. दूरसंवेदी इकाई से क्या आशय है?

उत्तर- उपग्रहों के माध्यम से संचालित संचार सेवाएँ , भूजल स्तर मापना, खनिज व पेट्रोलियम पदार्थों का पता लगाना , नक्शा तैयार करना , गुप्त जानकारियाँ आदि सेवाओं का क्रियान्वयन दूरसंवेदी इकाई के द्वारा होता है।

अथवा

अर्थव्यवस्था के प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र को उदाहरण की सहायता से समझाइए।

उत्तर- प्राथमिक क्षेत्र- प्राकृतिक संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से आधारित गतिविधियों को प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता उदाहरण- कृषि उपज- फसलों को उपजाने के लिए मुख्यतः प्राकृतिक कारकों जैसे मिट्टी, वर्षा, सूर्य का प्रकाश, वायु आदि पर निर्भर रहना पड़ता है, अतः कृषि उपज एक प्राकृतिक उत्पाद है। इसी प्रकार वन , पशुपालन, मछली पालन , खनिज आदि को भी प्राथमिक क्षेत्र के अन्तर्गत लिया गया है। द्वितीयक क्षेत्र-: इस क्षेत्र की गतिविधियों के अन्तगत प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के माध्यम से अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। उदाहरण- लोहे से मशीन बनाना तथा कपास से कपड़ा बनाना आदि।

प्रश्न 10. आई.एस.आई. क्या है?

उत्तर- आई.एस.आई. (I.S.I.)- भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था द्वारा औद्योगिक एवं उपभोक्ता वस्तुओं की गुणवत्ता को प्रमाणित करने वाला चिन्ह आई.एस.आई. मार्क कहलाता है।

अथवा

उपभोक्ता के कोई पाँच कर्तव्य लिखिए।

उत्तर- उपभोक्ता के कर्तव्य- उपभोक्ता के निम्नलिखित कर्तव्य हैं-

1. उपभोक्ता संरक्षक नियमों की जानकारी रखना।

2. काला बाजारी एवं तस्करी को निष्क्रिय करना।

3. बिल, रसीद, गारण्टी कार्ड आदि लेना एवं उन्हें संभाल कर रखना।

4. वास्तविक समस्या की शिकायत करना आवश्यक है , चाहे वस्तु कितनी ही कम मूल्य की क्यों न हो, इससे विक्रताओं में ठगी की प्रवृत्ति में कमी आएगी।

5. वस्तु की पूर्ति के अनुसार ही उपभोग में वृद्धि या कमी करना।

प्रश्न 11. खनिज पदार्थ का क्या महत्व है? http://www.mpboardonline.com

उत्तर- खनिज पदार्थ हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आधुनिक औद्योगिक उन्नति का आधार खनिज पदार्थ ही हैं। कारखानों में लगी मशीनें , पानी पर तैरते विशाल जहाज , ऊँची इमारतें, विभिन्न प्रकार की धातुओं से बनी वस्तुएँ खनिज पदार्थों की देन हैं। देश की औद्योगिक विकास का आधार खनिज पदार्थ है। यदि मनुष्य के पास धातुएँ और खनिज पदार्थ नहीं होते तो, आज औद्योगिक उत्पादन और विकास बहुत कम होता।

अथवा

औषधीय उद्यान विधि के अन्तर्गत कौन-कौनसी फसलों का उत्पादन सम्भव है ? (कोई तीन लिखिए)

उत्तर- औषधीय उद्यान विधि के अन्तर्गत निम्नलिखित फसलों का उत्पादन सम्भव है-

(1) फल- भारत में उष्ण कटिबन्धीय फलों के अन्तर्गत आम , केला, नींबू, अनन्नास, पपीता, अमरूद, चीकू, लीची, अंगूर तथा शीतोष्ण कटिबन्धीय फलों में सेब , आड़ू, नाशपाती, खूबानी, बादाम, अखरोट और शुष्क क्षेत्र के फलों में आँवला, बेर, अनार, अंजीर का उत्पादन होता है।

(2) सब्जियाँ- सब्जियों की पैदावार में चीन के बाद दूसरा स्थान भारत का है। भारत में उगाई जाने वाली प्रमुख सब्जियाँ टमाटर, प्याज, बैंगन, पत्तागोभी, फूलगोभी, मटर, आलू, खीरा आदि हैं।

(3) फूल-गुलाब, ग्लैडियोलस, ट्यूबरोज, कोसाद्रा प्रमुख फूल हैं। इनकी खेती भारत में परम्परागत ढंग से हो रही है।

प्रश्न 12. तार व फैक्स में क्या अन्तर है?

उत्तर- तार व फैक्स में अन्तर-

तार	फैक्स
1. इसके लिए खम्भों पर टेलीग्राम के तार स्थाई रूप से बाँधना जरूरी होता है।	1. इसमें फैक्स मशीन का प्रयोग किया जाता है, जिसे टेलीफोन नम्बर से जोड़ा जाता है।
2. तार सेवा में सांकेतिक भाषा या कोड को उपयोग किया जाता है।	2. इसमें सांकेतिक भाषा का प्रयोग नहीं किया जाता है।

अथवा

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- वर्तमान समय में कृषि शब्द व्यापक अर्थ में प्रयुक्त होने लगा है। इसके अन्तर्गत कृषि के साथ वन , मछलीपालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन को सम्मिलित किये जाने लगा है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसका अनुमान इसी आधार पर लगाया जा सकता है कि जहाँ संसार के कुल क्षेत्रफल के 11 प्रतिशत भाग पर कृषि की जाती है , वहीं भारत के 51 प्रतिशत क्षेत्रफल पर कृषि की जाती है। कृषि हमारा प्राथमिक व्यवसाय है। इसमें फसलों की खेती तथा पशुपालन दोनों ही सम्मिलित हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान व योगदान निम्न रूपों में देखा जा सकता है-

(1) भारतीय कृषि से संसार की लगभग 17 प्रतिशत जनसंख्या का पोषण हो रहा है। कृषि हमारी 2/3 जनसंख्या का भरण-पोषण करती है। http://www.mpboardonline.com

(2) भारतीय कृषि में देश की लगभग दो-तिहाई श्रमशक्ति लगी हुई है। इसके द्वारा अप्रत्यक्ष रूप में भी अनेक लोगों को रोजगार मिला है। लोग या तो दस्तकारी में लगे हैं या गांवों में कृषि उत्पादों पर आधारित छोटे-मोटे उद्योग-धंधो में लगे हैं।

(3) देश में वस्त्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कच्चे माल कृषि से ही मिलते हैं। कपास, जूट, रेशम, ऊन एवं लकड़ी की लुग्दी से ही वस्त्रों का निर्माण होता है। चमड़ा उद्योग भी कृषि क्षेत्र की ही देन है। कृषि उत्पादों को कच्चे माल के रूप में उपयोग करने वाले उद्योगों का आधार भी यही है। वस्त्र उद्योग , जूट उद्योग, खाद्य तेल उद्योग , चीनी एवं तम्बाकू उद्योग सभी कृषि उत्पादों पर आधारित हैं। कृषि उत्पादों पर आधारित आय में कृषि का योगदान लगभग 34 प्रतिशत है।

प्रश्न 13. सन् 1857 की क्रान्ति के सामाजिक कारण बताइए।

उत्तर- सामाजिक कारण- ब्रिटिश शासन द्वारा समाज सुधार के कुछ कानून बनाये गये थे। इन कानूनों को भारतीयों ने भारतीय समाज में हस्तक्षेप माना। सती प्रथा पर प्रतिबन्ध लगाना, धर्म परिवर्तन को प्रोत्साहित करना , परम्परागत उत्तराधिकार के नियमों में संशोधन करके भारतीयों की सामाजिक-धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाई। इससे भारतीयों में विरोध की भावना पैदा हुई।

अथवा

अंग्रेजों के आर्थिक शोषण की नीति ने भारतीय कुटीर उद्योग को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर- अंग्रेजी साम्राज्य की स्थापना और ब्रिटेन की औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप भारतीय उद्योग धंधों को गहरा धक्का लंगा। भारत से निर्यात होने वाले माल पर चुंगी की देर विदेशों में बढ़ा दी गयी और इंग्लैण्ड की निर्मित वस्तुओं के आयात पर चुंगी की छूट देकर , उन्हें भारतीय बाजारों में बेचा जाने लगा, जिससे भारतीय माल मँहगा हो गया व उनकी माँगे धीरे-धीरे घटती गयी तथा भारतीय कुटीर उद्योग धीरे-धीरे समाप्त होने लगे।

प्रश्न 14. सन् 1857 की क्रान्ति के आर्थिक कारण लिखिए।

उत्तर- आर्थिक कारण- भारत में ब्रिटिश शासन की आर्थिक नीतियों के परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग व व्यापार नष्ट हो गये। शिल्पकार एवं दस्तकार बर्बाद हो गये , कर प्रणाली ने भारतीय किसानों को बर्बाद कर दिया, भारतीयों को उच्च पदों से दूर रखा जाता था। भारतीय धन हर तरीके से देश से बाहर जा रहा था। इन प्रक्रियाओं के विरुद्ध भारतीयों में असन्तोष व्याप्त था।

अथवा

राष्ट्रीय जागृति के विकास में किन भारतीय समाचार- पत्रों ने अपनी भूमिका निभाई थी ? लिखिए।

उत्तर- राष्ट्रीय जागृति के विकास में 'संवाद कौमुदी', अमृत बाजार पत्रिका, "बम्बई समाचार', 'केसरी, मराठा, हिन्दू पैट्रियट, स्वदेशी मित्रम्, आर्य दर्शन आदि समाचारपत्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 15. आकार के आधार पर उद्योगों के कितने प्रकार हैं? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए। .

उत्तर- आकार के आधार पर उद्योग चार प्रकार के होते हैं-

(अ) वृहद् उद्योग- औद्योगिक इकाइयाँ जिनमें पूँजी निवेश 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक है, जैसे-टाटा आयरन स्टील कम्पनी।

(ब) मध्यम उद्योग- जिनमें कुल पूँजी निवेश 5 से 10 करोड़ रुपये के मध्य है, जैसे- चमड़ा उद्योग।

(स) लघु उद्योग- जिनमें कुल पूँजी निवेश 2 से 5 करोड़ रुपए तक है, जैसे- लाख उद्योग।

(द) कुटीर उद्योग- जिनमें पूँजी निवेश नाम मात्र का होता है तथा जो परिवार के सदस्यों की सहायता से चलाए जाते हैं। ग्राम में स्थित होने पर यह ग्रामीण उद्योग तथा नगर में स्थित होने पर नगरीय कुटीर उद्योग कहे जाते हैं।

अथवा

प्रदूषण से मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? बताइए।

उत्तर- प्रदूषण से मानव जीवन पर निम्नांकित दुष्प्रभाव पड़ता है-

(i) प्रदूषित वायु मानव की श्वसन क्रिया को क्षति पहुँचाती है। इससे दमा , निमोनिया, गले में दर्द, खाँसी के साथ ही कैंसर, मधुमेह और हृदय रोग जैसे घातक रोग होते हैं तथा हानिकारक गैसों का वायुमण्डल में अधिकं मिश्रण भीषण हादसों को जन्म देता है , जिससे मनुष्य मौत के शिकार हो जाते हैं।

(ii) प्रदूषित पेय जल अनेक रोगों के कीटाणु , विषाणु मनुष्य के शरीर में पहुँचाकर रोगों को उत्पन्न कर देता है। प्रदूषित जल के सेवन से पेचिश , हैजा, अतिसार, टायफाइड, चर्मरोग, खाँसी, जुकाम, लकवा, अन्धापन, पीलिया व पेट के रोग हो जाते हैं।

(iii) गंदगी के क्षेत्रों एवं प्रदूषित चीजों पर मक्खी , मच्छर, कीड़े. आदि पनपते हैं। गन्दगी युक्त वातावरण में अनेक कीटाणु पैदा होते हैं , जो मनुष्य के लिए पेचिश , तपेदिक, हैजा, आँतों के रोग, आँखों में जलन आदि रोगों हेतु उत्तरदायी होते हैं।

(iv) ध्वनि प्रदूषण का सर्वाधिक प्रभाव सुनने की शक्ति पर पड़ता है। अत्यधिक शोर से व्यक्ति बहरा हो जाता है। इसके अतिरिक्त इससे रक्तचाप , सिरदर्द, घबराहट आदि रोग भी मनुष्य में पनप जाते हैं। http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 16. रेलमार्गों का वितरण भारत में असमान है, स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- भारत में रेलमार्गों का विकास उन्हीं क्षेत्रों में हुआ है , जो आर्थिक दृष्टि से अधिक विकसित है। यह वितरण अत्यधिक असमान है। अधिक सघन रेलमार्ग क्षेत्र- यह क्षेत्र उत्तर भारत के सतलज-गंगा के मैदान में पंजाब से लेकर पश्चिम बंगाल तक विस्तारित है। इस रेल क्षेत्र के प्रमुख स्टेशन लुधियाना , दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, आसनमोल, हावड़ा आदि है। मध्य सघन रेलमार्ग क्षेत्र- इस रेल क्षेत्र में प्रायद्वीपीय मैदान एवं दक्षिण के पठार सम्मिलित हैं। अहमदाबाद , बड़ोदरा, चैन्नई मुख्य स्टेशन हैं। कम सघन रेलमार्ग क्षेत्र- देश के पर्वतीय , पठारी, मरुस्थलीय, दलदली, जंगली तथा पिछड़ी अर्थव्यवस्था एवं विरल जनसंख्या वाले भूभाग जहाँ परिवहन की सुविधाएँ नगण्य हैं , रेलमार्गों का विकास नहीं हो पाया है।

इनमें कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैण्ड, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, छत्तीसगढ़ का बस्तर एवं उड़ीसा के अधिकांश भाग सम्मिलित हैं। भारतवर्ष के पूर्वी

एवं पश्चिमी तटीय भागों में समुद्र तट के कटा-फटा व संकरे होने तथा पहाड़ियों के किनारे के कारण रेलमार्ग पर्याप्त विकसित नहीं हो सके हैं। पूर्वी तट पर समुद्र तट के कन्याकुमारी से हावड़ा तक रेलमार्ग विकसित है। पश्चिमी तटीय क्षेत्र में कोंकण रेल निगम की स्थापना के साथ 837 कि.मी. का रेलमार्ग विकसित हुआ है।

अथवा

भारत के प्रमुख बंदरगाहों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

उत्तर- भारत के प्रमुख बंदरगाह निम्नलिखित हैं-

(i) मुम्बई- कोलकाता के बाद मुम्बई भारत का दूसरा महत्वपूर्ण एवं सबसे बड़ा प्राकृतिक बंदरगाह है। यह बंदरगाह स्वेज तथा उत्तमाशा अंतरीप जलमार्ग पर स्थित है।

(ii) कोलकाता- यह भारत का ही नहीं सम्पूर्ण एशिया का मुक्त व्यापार क्षेत्र है। इसके पृष्ठप्रदेश में पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, असम, बिहार एवं उत्तरप्रदेश आते हैं।

(iii) हल्दिया- पश्चिम बंगाल में कोलकाता से लगभग 128 कि.मी. दूर हल्दिया बंदरगाह है। इसे कोलकाता बंदरगाह की भीड़-भाड़ को कम करने हेतु विकसित किया गया है।

(iv) न्हावाशेवा- नई मुम्बई के पश्चिमी तट पर न्हावाशेवा बंदरगाह विकसित किया गया है। यह मुम्बई बंदरगाह के दबाव को कम करने के लिए विकसित किया गया है।

(v) कांडला- कच्छ की खाड़ी में स्थित यह गुजरात का सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाह है। इसका पृष्ठ प्रदेश कश्मीर, हिमाचलप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व गुजरात है। यह मुक्त व्यापार क्षेत्र के रूप में विकसित है।

(vi) कोच्चि- यह बंदरगाह केरल में मलाबार तट पर पालघाट के पास प्राकृतिक एवं सामरिक महत्व का है।

प्रश्न 17. सूखा एवं बाढ़ किसे कहते हैं? लिखिए।

उत्तर- सूखा- किसी भी क्षेत्र में होने वाली सामान्य वर्षा में 25 प्रतिशत या उससे अधिक कमी होने पर उसे सूखे की स्थिति कहा जाता है तथा 50 प्रतिशत से अधिक कमी होने पर गंभीर सूखे की स्थिति होती है। बाढ़- किसी बड़े भू-भाग में किन्हीं भी कारणों से हुआ जल भराव , जिससे जन-धन की अपार क्षति हो , बाढ़ कहलाती है। जलाशयों में पानी की वृद्धि होने
अथवा

भारी वर्षा के कारण नदी के अपने किनारों को लांघने अथवा तेज हवाओं अथवा चक्रवातों के कारण बाँधों के फटने से विशाल क्षेत्रों में अस्थायी रूप से पानी भरने से बाढ़ आती है।

अथवा

भूस्खलन किसे कहते हैं, भूस्खलन के कारण भी बताइए। http://www.mpboardonline.com

उत्तर- चट्टानों, मिट्टी अथवा मलबे के ऐसे ढेर जो स्वयं अपने भार के जोर से पहाड़ों की ढलानों अथवा नदियों के किनारों पर आ जाते हैं , भूस्खलन कहलाता है। भूस्खलन के कारण- यद्यपि भूस्खलन धीरे-धीरे होते हैं , फिर भी आकस्मिक स्खलन बिना चेतावनी के भी हो सकते हैं। भूस्खलन होने के बारे में कोई पक्की चेतावनी मौजूद नहीं है। अतः भूस्खलन की आपदा घटने का पूर्वनुमान लगाना कठिन है। भूविज्ञान , जलविज्ञान, वनस्पति आच्छादन, क्षेत्र का पूर्व इतिहास और प्रभाव सम्बन्धी जानकारी का प्रयोग करके भूस्खलन की उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों का पता लगाया जा सकता है। भूस्खलन के लिए प्रमुखतया भूकम्प , बाढ़ और चक्रवात की स्थितियाँ उत्तरदायी होती हैं। मानव द्वारा रास्तों के निर्माण करने अथवा कृषि के लिए खड़ी ढाल वाले क्षेत्र बनाना भी भूस्खलन को जन्म देता है। पर्वतीय क्षेत्रों में जब भूकम्प के तीव्र झटके आते हैं , तो ढ़ालों की चट्टानें एवं मिट्टी खिसकने लगती है। यह अत्यधिक खतरनाक होती है। बाढ़ के प्रकोप के कारण कगारों की मिट्टी कमजोर हो जाती है, जिससे मिट्टी चट्टानों के साथ खिसकने लगती है। तीव्र चक्रवातों एवं झंझावतों का आना भी भूस्खलन को जन्म देता है।

प्रश्न 18. क्रांतिकारी आन्दोलनों का भारत के इतिहास में महत्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- क्रांतिकारी आन्दोलनों का भारत के इतिहास में बहुत महत्व है। क्रांतिकारी विचारधारा के अनुयायियों का विश्वास था कि अहिंसा और वैधानिक साधनों द्वारा राजनैतिक अधिकार प्राप्त नहीं किए जा सकते हैं। क्रांतिकारियों का मानना था कि हिंसा और भय दिखाकर स्वराज व स्वशासन प्राप्त किया जा सकता है। श्यामजी , कृष्ण वर्मा, वासुदेव बलवंत फड़के, चाफेकर बन्धु, सावरकर बन्धु, खुदीराम बोस, रास बिहारी बोस , भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, बटुकेश्वर दत्त, राजगुरू आदि क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश सरकार की सैन्य अथवा आर्थिक शक्ति को बहुत नुकसान पहुँचाया। इन क्रांतिकारियों ने नवयुवकों में त्याग और बलिदान की भावना उत्पन्न कर , उन्हें मातृभूमि को विदेशी बंधनों से मुक्ति दिलाने हेतु प्रेरित किया।

अथवा

साइमन कमीशन कब और क्यों भेजा गया था ? भारतीयों द्वारा इसका विरोध क्यों किया गया?

उत्तर- 8 नवम्बर को भारत के वायसराय लॉर्ड इरविन ने एक कमीशन ,नियुक्त किया था , जिसके अध्यक्ष सर जॉन साइमन थे , जिनके नाम पर इसे साइमन कमीशन कहा गया। सन् 1919 के भारतीय शासन अधिनियम के अनुसार अगले वर्षों में संवैधानिक परिर्वतनों के प्रश्न पर पुनर्विचार के लिए तथा आवश्यक सुझाव के लिए कमीशन भेजा गया था। इस आयोग से जिस बातों कों विचार करने को कहा गया था , इससे भारतीय जनता द्वारा स्वतन्त्रता पाने की जरा भी आशा नहीं की जा सकती थी। इस कमीशन में एक भी भारतीय नहीं था, इसलिए भारतीयों द्वारा साइमन कमीशन का बहिष्कार किया गया।

प्रश्न 19. 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के परिणाम लिखिए।

उत्तर- 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के निम्नलिखित परिणाम हुए-

(अ) पाकिस्तान कश्मीर समस्या का समाधान शस्त्र द्वारा करना चाहता था। उसने युद्ध का मार्ग अपनाया परन्तु उसकी इच्छा पूरी नहीं हुई।

(ब) पाकिस्तान का विश्वास था कि कश्मीर की मुस्लिम जनता उसका साथ देगी परन्तु ऐसा नहीं हुआ। भारत ने यह सिद्ध किया कि भारतीय धर्मनिरपेक्षता का आधार अत्यन्त ठोस है।

(स) युद्ध के दौरान भारतीय नागरिकों, तथा सैनिकों का मनोबल ऊँचा रहा। भारतीय सेना के अधिकांश हथियार स्वदेशी थे।

(द) पाकिस्तानं को विश्वास था कि संकट के अवसर पर चीन उसका साथ देगा परन्तु उसका यह भ्रम टूट गया।

(ङ) भारत-पाकिस्तान के युद्ध में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका महत्वपूर्ण थी। संयुक्त राष्ट्र संघ को सफलता इसलिए मिली क्योंकि सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपूर्व सहयोग दिया था।

(ई) पाकिस्तान के लिए यह युद्ध घातक सिद्ध हुआ। युद्ध में पराजय ने उसकी सैनिक तानाशाही के खोखलेपन को सिद्ध कर दिया।

अथवा

1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के क्या कारण थे?

उत्तर- 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के निम्नलिखित कारण थे-

1. पाकिस्तान सैनिक दृष्टि से भारत से कमजोर था।

2. पाकिस्तान को नैतिक पक्ष दुर्बल था। पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के साथ जो भेदभावपूर्ण नीति अपनायी थी, उसके परिणामस्वरूप वहाँ जन-आंदोलून आरंभ हुआ। बंगलादेश के निर्माण में बंगाली जनता प्राण-पण से अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रही थी।

3. पाकिस्तान की सैनिक तानाशाही प्रजातंत्रीकरण की प्रक्रिया की उपेक्षा कर रही थी। यह उपेक्षा उसे भारी पड़ी।

4. पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान के मध्य दूरी के कारण पाकिस्तान पूर्वी पाकिस्तान तक सहजता से नहीं पहुँच सकता था। समुद्री मार्ग की भारतीय नौसेना ने घेराबंदी कर ली थी , अतः उसकी सेना को आपूर्ति बंद हो गयी।

5. पाकिस्तान के अत्याचारों से पीड़ित होकर लाखों की संख्या में शरणार्थी भारत आये। इस कारण भारत को पाकिस्तान के मामले में हस्तक्षेप का मौका मिला।

प्रश्न 20. भारतीय संविधान में कठोर एवं लचीलेपन का सम्मिश्रण है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए। http://www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

उत्तर- 1. संविधान में संशोधन की प्रक्रिया के आधार पर संविधान का वर्गीकरण कठोर अथवा लचीले रूप में किया जाता है।

2. संविधान में संशोधन की तीन प्रक्रियाओं का उल्लेख है , जिनके अनुसार संविधान के कुछ प्रावधान संसद के साधारण बहुमत के कुछ प्रावधानों को बदले जा सकते हैं।

3. विशिष्ट बहुमत से तथा महत्वपूर्ण शेष प्रावधानों में संसद के विशिष्ट बहुमत के साथ-साथ आधे राज्यों के अनुसमर्थन से बदले जा सकते हैं। इस दृष्टि से भारतीय संविधान लचीला और कठोर है। भारतीय संविधान केवल एक राजनीतिक प्रलेख ही नहीं, अपितु बहुत अधिक है।

अथवा

भारत एक धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र है, समझाइए।

उत्तर- भारतवर्ष में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग निवास करते हैं। भारतीय राजनीति किसी धर्म से प्रभावित नहीं है और न ही भारत के आन्तरिक , वैदेशिक मामले धर्म से प्रभावित होते हैं। राष्ट्र सभी को समान मानता है , किसी धर्म विशेष को अन्य धर्मों की तुलना में अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता। किसी भी नागरिक को किसी भी धर्म को मानकर उसका प्रचार करने का अधिकार है। राष्ट्रीय स्कूलों में धार्मिक शिक्षा की व्यवस्था नहीं होती। इस प्रकार किसी एक धर्म को बढ़ावा नहीं मिल पाता जो यह स्पष्ट करता है। कि भारत एक धर्म-निरेपक्ष राष्ट्र है।

प्रश्न 21. पूँजीवाद के गुण की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-पूँजीवादी प्रणाली के गुण- पूँजीवादी प्रणाली में पाए जाने वाले प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं-

1. स्व संचालित प्रणाली- इस प्रणाली में सरकारी हस्तक्षेप नहीं होता। सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन 'मूल्य तंत्र' अथवा बाजार शक्तियों के आधार पर होता है। अतः इस प्रणाली को स्वसंचालित प्रणाली कहा जाता है।

2. उत्पादन एवं आय में वृद्धि-पूँजीवादी प्रणाली के द्वारा पश्चिमी देशों में तेजी से प्रगति हुई है। इन देशों में लाभ की भावना एवं निजी सम्पत्ति के लालच में तेजी से विकास हुआ है। इस प्रणाली में प्रतियोगिता की भावना से तकनीकी के स्तर में सुधार होता है। फलतः पूँजीवादी व्यवस्था में उत्पादन तथा आय में तेजी से वृद्धि होती है।

3. परिवर्तनशील-पूँजीवाद में परिस्थितियों के अनुसार कार्य करने का गुण है। परिस्थितियों के अनुसार सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों में परिवर्तन होते हैं। औद्योगिक नीति , कृषि नीति, व्यापार नीति, श्रम नीति आदि में देश की परिस्थितियों के अनुसार बदलाव होता रहता है , किन्तु पूँजीवादी प्रणाली अपने मूल दर्शन यथा लाभ कमाना के अनुसार संचालित होती रहती है। http://www.mpboardonline.com

4. व्यक्तिगत स्वतंत्रता-इस प्रणाली में व्यक्ति अपनी इच्छानुसार व्यवसाय का चुनाव कर सकता है। उपभोक्ता भी अपनी पसंद के अनुसार वस्तुएँ चुन सकता है। धन कमाने और उसे खर्च करने की भी पूर्ण स्वतंत्रता रहती है। पूँजीवाद के अंतर्गत आर्थिक क्रियाओं के संबंध में पूर्ण स्वतंत्रता होती है।

अथवा

विकसित एवं विकासशील देशों के मध्य भिन्नता के कोई चार मापदण्ड लिखिए।

उत्तर- विकसित एवं विकासशील देशों में अन्तर-

विकसित देश	विकासशील देश
1. इन देशों में कृषि की प्रधानता नहीं होती।	1. यहाँ पर कृषि की प्रधानता होती हैं।
2. यहाँ पर प्राकृतिक साधनों का पूर्ण उपयोग किया जाता	2. यहाँ पर प्राकृतिक साधनों का अल्प उपयोग किया जाता है।
3. यहाँ उद्योगों की प्रधानता हैं।	3. यहाँ पर उद्योग अपेक्षाकृत कम हैं।
4. तकनीकी शिक्षा में ये व्यापक रूप से विकसित हैं।	14. यह देश तकनीकी शिक्षा में पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हैं।
5. यहाँ पर साक्षरता का प्रतिशत शत-प्रतिशत हैं।	5. यहाँ पर साक्षरता , का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम हैं।

प्रश्न 22. मौसम मानचित्रों का महत्व/विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- मौसम मानचित्र का महत्व-

(i) मौसम मानचित्रों की सहायता से मौसम का पूर्वानुमान लगाया जाता है। इसे समाचार-पत्रों एवं आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित कर , अतिवृष्टि, अनावृष्टि, भूकम्प, ओलावृष्टि, तूफान एवं हिमपात जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जन सामान्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया जाता है।

(ii) मौसम मानचित्र से प्राप्त पूर्वानुमान नौ-संचालन , वायुयान की सुरक्षित उड़ान , अकाल के दुष्प्रभावों एवं कृषि की सही देखभाल में मदद करते हैं।

अथवा

भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाइए-

(1) जूट उत्पादक क्षेत्र

(2) गन्ना उत्पादक क्षेत्र

(3) काली मिट्टी का क्षेत्र या कपास उत्पादक क्षेत्र

(4) चाय उत्पादक क्षेत्र

(5) रबर उत्पादक क्षेत्र।

उत्तर-

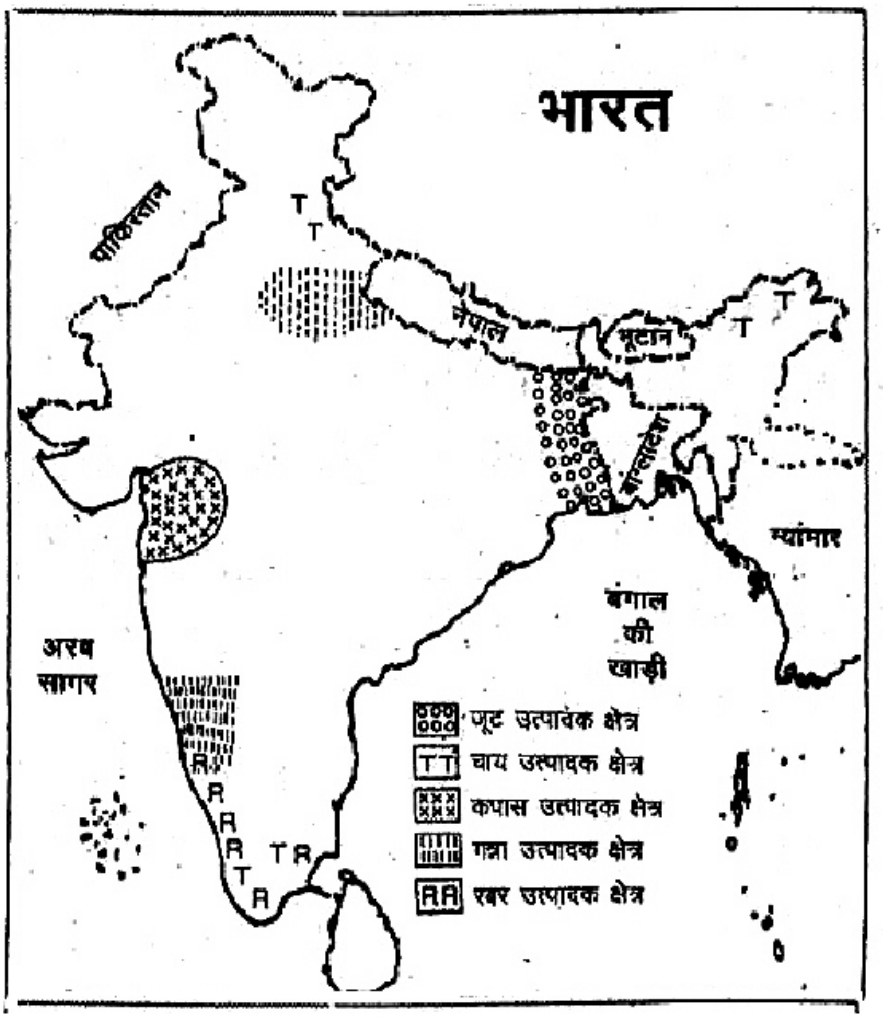

प्रश्न 23. 'बंग-भंग' का राष्ट्रीय आन्दोलन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर- बंग-भंग का राष्ट्रीय आन्दोलन पर प्रभाव 1905 के बंगाल विभाजन के दूरगामी परिणाम सामने आये जिनके कारण भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन को एक नई दिशा मिली। इसके प्रमुख प्रभाव निम्न प्रकार थे-

(1) भारतीय जनता ने बंगाल के विभाजन के विरोध में देश भर में अनेक सभाओं का आयोजन किया।

(2) बंगाल विभाजन से न केवल बंगालियों में रोष उत्पन्न हुआ वरन् सम्पूर्ण राष्ट्र ने इसे अपना अपमान समझा। 16 अक्टूबर, 1905 ई. में बंगाल का विभाजन जब सरकारी रूप में मनाया गया तो राष्ट्रीय नेताओं में सशक्त शब्दों में इसका विरोध किया।

(3) बंगाल विरोधी आन्दोलन ने शिक्षा संस्थाओं के अतिरिक्त स्वदेशी उद्योगों की स्थापना के भी प्रयत्न किये जिससे व्यापारिक जनता तथा श्रमिकों में भी राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ।

(4) राष्ट्रीय शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया तथा सरकारी शिक्षा संस्थाओं का बहिष्कार किया गया। इसके अतिरिक्त स्वतन्त्र राष्ट्रीय शिक्षा संस्थाओं की स्थापना की गयी।

(5) बंगाल-विभाजन के विरुद्ध तीव्र प्रतिक्रिया होने के कारण ब्रिटिश सरकार को इसे 1911 ई. में रद्द करना पड़ा। जिससे कांग्रेस के उग्रवादियों की प्रतिष्ठा बढ़ी।

अथवा

क्रांतिकारियों के बारे में आप क्या जानते हैं? ब्रिटिश शासन के विरूद्ध उन्होंने कौन से तरीके अपनाए?

उत्तर- ब्रिटिश सरकार की प्रतिक्रियावादी नीति के परिणामस्वरूप 19वीं शताब्दी के अंतिम दशक में भारत में क्रांतिकारी राष्ट्रीयता का अभ्युदय हुआ। बंगाल विभाजन के बाद भारतीयों में क्रांतिकारी भावना का तेजी से प्रसार हुआ। क्रांतिकारी विचारधारा के अनुयायियों का विश्वास था कि अहिंसा और वैधानिक साधनों द्वारा राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं किये जा सकते हैं। क्रांतिकारी मानते थे कि हिंसा और भय दिखाकर स्वराज व स्वशासन प्राप्त किया जा सकता है। वे मातृभूमि को तत्काल विदेशी बंधन से मुक्त करना चाहते थे। अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए क्रांतिकारियों ने गुप्त समितियों का गठन किया , युवकों को सैनिक प्रशिक्षण दिया , अस्त्र-सस्त्र एकत्र किये तथा समाचार-पत्रों और अन्य माध्यमों से क्रांतिकारियों विचारों का प्रसार किया। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए क्रांतिकारियों ने बंगाल में अनुशीलन समितियों की स्थापना की। यह समितियाँ युवकों को भारतीय इतिहास और संस्कृति से अवगत कराती थी तथा उसमें स्वतंत्रता की भावना जगाती थी। समितियाँ युवकों में त्याग और बलिदान की भावना उत्पन्न कर , उन्हें मातृभूमि को विदेशी बंधनों से मुक्ति प्राप्त करने के लिए तैयार करती थी। इस कार्य के लिए क्रांतिकारियों ने पिस्तौल , बंदूक और गोला-बारूद का रास्ता चुना।

प्रश्न 24. बांग्ला देश का उदय किस प्रकार हुआ तथा भारत ने उसमें क्या सहयोग प्रदान किया?

उत्तर- 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की परिणति के रूप में बांग्लादेश का उदय हुआ। जब पूर्वी बंगाल और पाकिस्तानी शासक के विरुद्ध-विद्रोह हुआ , तब भारत की सहानुभूति बंगला स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति रही। पाकिस्तान के सैनिक तानाशाह ने जब इन विद्रोहियों का

क्रूरता के साथ दमन किया , तब भारत ने इसका कड़ा विरोध किया। पाकिस्तान द्वारा किये गये नरसंहार से भयभीत होकर पूर्वी बंगाल के अनेक शरणार्थी भारत में आ गए। भारत ने इनके भोजन-आवास की व्यवस्था की और साथ ही बंगलादेश की मुक्ति वाहिनी के जवानों को प्रशिक्षित किया। इससे बंगला शरणार्थियों का आज़ादी प्राप्त करने के लिए उत्साह बढ़ा। 26 मार्च 1971 को शेख मुजीब के नेतृत्व में स्वतंत्र बांग्लादेश की घोषणा गुप्त रेडियो से की गई। इसके साथ ही पश्चिमी पाकिस्तान का दमनचक्र शुरु हुआ। अंततः 17 अप्रैल 1971 को बंग्लादेश में स्वतंत्र प्रभुसत्ता सम्पन्न गणतंत्र की घोषणा की गई और विश्व की सरकारों से मान्यता प्रदान करने का आग्रह किया गया। मुक्ति संघर्ष के चलते लगभग एक करोड़ बांग्लादेश को समस्या के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने कई पश्चिमी देशों की यात्रा की किन्तु उन्हें पूर्णतः सफलता नहीं मिली। अंततः 3 दिसम्बर 1971 को भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध शुरु हो गया। बांग्लादेश के तत्कालीन विदेश मंत्री के अनुरोध पर भारत ने 6 दिसम्बर 1971 को बांग्लादेश को मान्यता प्रदान कर दी। 8 दिसम्बर 1971 को ही बांग्लादेश ने हुसैन अली को भारत में अपना प्रथम राजदूत नियुक्त कर दिया।

अथवा

ताशकन्द समझौते की शर्ते लिखिए?

उत्तर- ताशकन्द समझौते की शर्ते निम्नलिखित हैं-

1. दोनों पक्षों ने अच्छे पड़ोसियों जैसे संबंध निर्माण करने पर सहमति व्यक्त की।

2. दोनों पक्षों ने यह सहमति व्यक्त की कि वे 5 अगस्त 1965 के पूर्व जिस स्थिति में थे वहाँ अपनी सेनाओं को वापस बुला लेंगे। दोनों पक्ष युद्ध विराम रेखा पर युद्ध विराम की शर्तों का पालन करेंगे।

3. दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने , एक-दूसरे के विरुद्ध प्रचार को निरुत्साहित करने तथा पुनः राजनयिक संबंधों की स्थापना करने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त आर्थिक , व्यापारिक, सांस्कृतिक संबंधों को मधुर बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गयी।

प्रश्न 25. व्यवस्थापिका के प्रमुख कार्य बतलाइए। http://www.mpboardonline.com

उत्तर- व्यवस्थापिका के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं-

1. कानून का निर्माण- देश के शासन को संचालित करने के लिए कानूनों के निर्माण का कार्य व्यवस्थापिका करती है।

2. संविधान संशोधन- आवश्यकतानुसार संविधान में अगर परिवर्तन करना आवश्यक होता है, तो यह कार्य संविधान द्वारा व्यवस्थापिका को दिया गया है। व्यवस्थापिका आवश्यक संशोधन करने का कार्य करती है।

3. प्रशासनिक कार्य- व्यवस्थापिका कार्यपालिका पर नियंत्रण करने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। संसदात्मक, शासन व्यवस्था में कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी रहती है। इस तरह व्यवस्थापिका प्रशासनिक नियंत्रण का कार्य करती है।

4. राज्य व शासन की नीति का निर्धारण- राज्य को दिशा देने एवं नीति निर्धारण का कार्य व्यवस्थापिका करती है। कार्यपालिका द्वारा निर्धारित नीति को व्यवस्थापिका ही स्वीकृति प्रदान करती है।

5. वित्त संबंधी कार्य- सरकार द्वारा निर्धारित करों को लगाने और करों को कम अथवा समाप्त करने तथा शासन के व्ययों को स्वीकृति प्रदान करने का कार्य व्यवस्थापिका द्वारा किया जाता है। इस तरह वह जनता से प्राप्त धन (वित्त) पर नियंत्रण रखती है।

अथवा

मुख्यमंत्री के कार्य एवं शक्तियाँ बताइये अथवा मुख्यमंत्री के कोई पाँच कार्य लिखिए।

उत्तर- मुख्यमंत्री के कार्य एवं शक्तियाँ निम्नलिखित-

1. मंत्रिमण्डल का गठन- मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों का चयन करके नामों की सूची राज्यपाल को सौंपता है। राज्यपाल उन्हें ही मंत्री नियुक्त करता है। मुख्यमंत्री की सिफारिश पर ही राज्यपाल मंत्रियों के मध्य विभागों का बंटवारा करता है। मुख्यमंत्री आवश्यकता पड़ने पर मंत्रियों से त्याग-पत्र मांग सकता है। मुख्यमंत्री ही मंत्रिपरिषद् की बैठकों की अध्यक्षता करता है। वह आवश्यकता पड़ने पर मंत्रियों को उनके विभाग से संबंधित कार्य के निर्देश दे सकता है। जब कोई प्रकरण दो मंत्रियों से संबंधित हो तो मुख्यमंत्री आवश्यक निर्देश-मार्गदर्शन संबंधित मंत्रियों को दे सकती है।

2. विधानसभा एवं राज्य का नेतृत्व- मुख्यमंत्री विधानसभा का नेता होता है। वह शासन की नीतियों की घोषणा सदन में करता है। आवश्यकता पड़ने पर मंत्रियों के वक्तव्यों का स्पष्टीकरण देता है। राष्ट्रीय एवं अन्य स्थानों पर वह राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। वह राज्य का प्रधान प्रवक्ता होता है।

3. मंत्रीपरिषद् राज्यपाल के बीच की कड़ी- मुख्यमंत्री , मंत्रिपरिषद् एवं राज्यपाल के बीच कड़ी का काम करता है। वह मंत्रिपरिषद् के निर्णयों के संबंध में राज्यपाल को सूचना देता है।

4. राज्य का प्रशासनिक नेतृत्व मुख्यमंत्री राज्य के प्रशासन का प्रमुख होता है , उसी के निर्देशानुसार प्रशासनिक कार्य होते हैं।

5. विधानसभा का नेतृत्व- बहुमत दल का नेता होने के कारण मुख्यमंत्री विधानसभा का नेतृत्व करता है।

प्रश्न 26. भारत में बेरोजगारी के कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारत के बेरोजगारी के कारण निम्नलिखित हैं-

1. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि- काम करने वालों की संख्या तो बढ़ रही है , परन्तु तुलनात्मक रूप में कार्य के अवसर नहीं बढ़ पा रहे हैं।

2. कृषि पर बढ़ता दबाव- जनसंख्या वृद्धि से कृषि भूमि पर जनभार बढ़ा है। इसके कारण उपलब्ध भूमि पर छिपी हुई बेरोजगारी में वृद्धि हुई है। फलतः परिवार का जीवन-स्तर कम हुआ है और प्रति व्यक्ति आय कम हुई है। http://www.mpboardonline.com

3. दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली- शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक नहीं है। इससे लाखों बी.ए., एम.ए. करने वाले लोग बेरोजगार रहते हैं।

4. दोषपूर्ण नियोजन- हमारे देश में नियोजन नीति रोजगारमूलक नहीं है। रोजगार के अवसर अधिक उपलब्ध हो सकें, इस पर ध्यान कम दिया गया है।